जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

3 मार्च, 2025

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के एपीडीयूएमटी ने "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में अभिनव शिक्षण पद्धतियां" पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में अकादमी ऑफ प्रॉफेशनल डेव्लपमेंट ऑफ उर्दू मीडियम टीचर्स (एपीडीयूएमटी) ने "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में अभिनव शिक्षण पद्धतियां" विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया। 28 फरवरी, 2025 को आयोजित व्याख्यान जामिया मिल्लिया इस्लामिया के शैक्षिक अध्ययन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अफाक नदीम खान ने दिया। व्याख्यान में शिक्षक प्रशिक्षकों और शोधार्थियों के अतिरिक्त देश के विभिन्न क्षेत्रों से उर्दू में पढ़ाने वाले शिक्षकों ने भाग लिया।

व्याख्यान की शुरुआत आयोजन सचिव डॉ. अब्दुल वाहिद, सहायक प्रोफेसर, एपीडीयूएमटी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत करने के साथ हुई।

अकादमी ऑफ प्रॉफेशनल डेव्लपमेंट ऑफ उर्दू मीडियम टीचर्स के मानद निदेशक प्रो. जसीम अहमद ने अकादमी द्वारा शुरू की गई ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला के बारे में बताया, जो पिछले दो महीनों से चल रही है और यह सत्र श्रृंखला का तीसरा सत्र है।

प्रो. अहमद ने नवीन शिक्षण-अधिगम विधियों को विकसित करने की आवश्यकता पर रोशनी डाली जो छात्रों के लिए लचीली, रोचक और मनोरंजक हों। इसके अतिरिक्त उन्होंने चर्चा की कि पारंपरिक तरीकों को ऐसे शिक्षण में ढाला जा सकता है जो छात्रों को लाभान्वित करें। उन्होंने निष्कर्ष में रेखांकित किया कि शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को केवल विषय-वस्तु के ज्ञान पर ही केंद्रित नहीं होना चाहिए अपितु शिक्षकों द्वारा स्पष्ट संचार और प्रभावी वितरण को भी प्राथमिकता देनी चाहिए।

ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला के समन्वयक, अकादमी ऑफ प्रॉफेशनल डेव्लपमेंट ऑफ उर्दू मीडियम टीचर्स के अनुवादक डॉ. नौशाद आलम ने प्रतिभागियों को उनकी शैक्षणिक यात्रा के बारे में बताते हुए अतिथि वक्ता का परिचय कराया।

अतिथि वक्ता, डॉ. नदीम ने प्रतिभागियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में नवीन शिक्षण विधियों से परिचित कराया । उन्होंने शिक्षा के दर्शन और सतत अधिगम की आवश्यकता पर बल दिया। प्रत्येक छात्र के लिए पाठों को रोचक और लचीला बनाने के लिए शिक्षकों को व्यापक शोध करने की आवश्यकता होती है। शिक्षकों को पाठ्यक्रम के लेन-देन के संबंध में कक्षाओं में इक्विटि और समानता के महत्व को समझने की आवश्यकता है। उन्होंने आगे संवादात्मक और सहयोगात्मक अधिगम पर बल दिया। इस व्याख्यान का मुख्य आकर्षण डॉ. नदीम द्वारा विभिन्न विषयों में पेश की गई विभिन्न तकनीकें और नवीन विधियाँ थीं; उन्होंने यह बताया कि कक्षा में विचार-मंथन तथा गहन प्रश्नों से छात्रों को कहानियाँ चुनने में किस प्रकार सहायता मिलेगी। उन्होंने छात्रों के लिए अधिगम के क्षितिज को व्यापक बनाने के लिए अनुभवात्मक अधिगम, गतिविधि आधारित अधिगम सहित सहयोगात्मक अधिगम की भूमिका पर बल देते हुए व्याख्यान का समापन किया।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के अकादमी ऑफ प्रॉफेशनल डेव्लपमेंट ऑफ उर्दू मीडियम टीचर्स की सहायक प्रोफेसर डॉ. हिना आफरीन द्वारा दिए गए औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया